Welland gouldsmith School
2nd language Hindi
Class - 8
Answer

1) क) प्रस्तुत पंक्तियों के कवि का नाम डॉ शिवमंगल सिंह सुमन जी है। यहां 'हम' शब्द का प्रयोग पंछियों के लिए किया गया है।

ख) स्वादिष्ट व्यंजन खाने की अपेक्षा पंछी नदी, झरनों का बहता पानी और कड़वे नीम का फल खाना - पीना पसंद करेंगे।

ग) सोने के पिंजरे में बंद रहने के कारण पंछी अपनी गति और उड़ान भूल जाते हैं।

2) क) पंछियों के सपने हैं कि वे पेड़ की ऊंची डाली पर बैठकर झूला झूले। उनकी इच्छा है कि वह आकाश की सीमा तक उड़ान भरे। वे अपने किरणों के समान लाल चोंच से तारे के समान अनार के दानों को चुगना चाहते हैं।

ख) अंत में पंछी मनुष्य से प्रार्थना करते हैं। वे कहते हैं कि वे उन्हें टहनियों पर घोंसला ना बनाने दे, चाहे उनके घोंसलों को नष्ट कर दे। पर जब ईश्वर ने उन्हें पंख दिए हैं तो उन्हें स्वतंत्र होकर उड़ने दे। उन्हें कैद करके उनकी स्वतंत्र उड़ान में बाधा ना डालें।

ग) स्वतंत्र उड़ने के लिए पंछी सोने के पिंजरे का त्याग करने के लिए तैयार हैं। वे सोने की कटोरी में मैदा से बने स्वादिष्ट व्यंजनों का त्याग करना चाहते हैं।

3) आकुल - व्याकुल - आधी रात को भयावह सपना देख मैं आकुल हो उठी।

नीड़ - घोंसला - बया पक्षी का नीड़ बड़ा ही कलात्मक है।

कनक - सोना - बाजार में कनक का भाव आसमान छू रहा है।

आश्रय - सहारा - आजकल किसी अपरिचित को अपने घर में आश्रय देना खतरे से खाली नहीं है।

अरमान - इच्छा - बुजुर्गों के अरमान होते हैं कि उनके बच्चे उनके नक्शे कदम पर चलें।

<u>पाठ के पीछे दिए गए प्रश्नों के उत्तर</u> -

<u>लिखित</u>

1) क) i) पंछी पिंजरे में बंद रहना पसंद नहीं करते हैं।

iv) पंछी आकाश की सीमा तक उड़ान भरना चाहते हैं।

v) 'व्याकुल उड़ान' का अर्थ है कि पंछी आकाश में स्वतंत्र रूप से उड़ने के लिए बेचैन हैं।

ख) iii) सीमाहीन क्षितिज को पाने में प्रयासरत पंछियों को दो परिणामों का सामना करना पड़ता है। कुछ पंछी तो आकाश की सीमा तक उड़ान भर लेते हैं और कुछ पंछी उड़ते - उड़ते अपने प्राण खो बैठते हैं। उनका क्षितिज से मिलन नहीं हो पाता है।

iv) पंछी अपने किरणों के समान लाल चोंच खोलकर तारे के समान अनार के दानों को चुगना चाहते हैं।